University in News on 07 September 2025

JAGRAN CITY PAGE III

दीक्षा समारोह में डा. शेखर मांडे होंगे मुख्य अतिथि

डा. शेखर सी. मांडे

जासं ● लखनऊ : प्रख्यात विज्ञानी एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के पूर्व महानिदेशक डा. शेखर सी. मांडे लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के 68वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। लवि प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। डा. मांडे प्रोटीन संरचना और कार्य, क्षयरोग (टीबी) जीव विज्ञान, जैव भौतिकी एवं जैवरसायन दृष्टिकोण तथा संगणकीय जीवविज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी योगदान के लिए ख्याति प्राप्त हैं। उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु से मालिक्यूलर बायोफिजिक्स में पीएचडी की है। डा. विद्यार्थियों को उपाधि व पदक प्रदान करेंगे। दीक्षा समारोह में पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मानद उपाधि प्रदान की जाएगी।

i-NEXT PAGE 5

कॉन्वोकेशन में अरिंदम को चांसलर्स गोल्ड मेडल

10 सितंबर को लखनऊ यूनिवर्सिटी का 68वां कॉन्वोकेशन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(6 Sept): लखनऊ यूनिवर्सिटी का 68वां कॉन्वोकेशन 10 सितंबर को होना है. कॉन्वोकेशन में स्टूडेंट्स को मेडल दिए जाने हैं, जिसकी फाइनल लिस्ट यूनिवर्सिटी ने शनिवार को जारी की. यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी के मुताबिक इस बार कॉन्वोकेशन प्रोग्राम में एलयू पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मानद उपाधि देकर सम्मानित करेगा, इसके साथ ही कई स्टूडेंट्स को स्पेशल मेडल्स भी दिए जाएंगे.

पूर्व डीजीपी को मानद उपाधि

कॉन्वोकेशन के दौरान यूपी के पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा. यह उपाधि यूनिवर्सिटी की चांसलर आनंदीबेन पटेल द्वारा अनुमोदित की गई है. 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रशांत कुमार का पुलिस सर्विस में करियर तीन दशक से लंबा रहा है. वहीं, एलयू कॉन्वोकेशन में प्रख्यात संरचनात्मक जीवविज्ञानी, डीएसआईआर के पूर्व सचिव तथा सीएसआईआर नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर सी पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं.

इन्हें मिलेगा मेडल

वाइस चांसलर गोल्ड मेडल(एनसीसी कैडेट) मुझे दिया जाएगा. मैं नेशनल पीजी कॉलेज की बीकॉम थर्ड ईयर की स्टूडेंट और एनसीसी कैडेट हूं. मैं 10 सितम्बर के लिए बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं. यह सम्मान मिलना मेरे लिए गर्व की बात है. मेरे फादर कृष्ण कुमार राय और मदर किरन राय बहुत गौरवान्वित फील कर रहे हैं. **अवन्तिका राय**

चक्रवर्ती गोल्ड मेडल फॉर सर्विस मेडल के लिए सेलेक्शन हुआ है. ये मेडल मुझे यूनिवर्सिटी को अलग-अलग स्टेजेस पर रिप्रजेंट करने, ग्रेजुएशन के दौरान सक्सेसफुल इवेंट करवाने, स्लम एरियाज में अवेयरनेस प्रोग्राम करने के लिए दिया जा रहा है. ये मेडल मैं अपनी मदर डॉ. जरीना सईद को डेडिकेट करती हूं. **आरजू नायाब**

चांसलर गोल्ड मेडल कॉन्वोकेशन के दौरान दिए जाने वाले सबसे स्पेशल मेडल में से एक है. मैंने इसी साल बीए ऑनर्स कंपलीट किया है. मेरे फादर का नाम विजय कुमार चतुर्वेदी और मदर का नाम प्रतीक्षा चतुर्वेदी हैं. **अरिंदम चतुर्वेदी**

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि के दीक्षांत में पदक पाने वाले पांच विद्यार्थियों के नाम में बदलाव

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। संशोधन के बाद लविवि में दीक्षांत समारोह के लिए पदकों, पुरस्कारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। पांच विद्यार्थियों के नामों में बदलाव किया गया है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक ने आदेश जारी कर दिया है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि भृगु प्रसाद मेमोरियल प्राइज इन साइकोलॉजी अवॉर्ड निशा अवस्थी के बजाय अब स्वाति गुप्ता को मिलेगा। पदक अध्यादेश को आधार बनाते हुए छात्रा के तीसरे व चौथे सेमेस्टर के विषय को जोड़ा गया है।

डॉ. इंद्रजीत सिंह गोल्ड मेडल श्वेतांशु उपाध्याय के स्थान पर जिज्ञासा वर्मा, पंडित जगपाल कृष्ण गोल्ड मेडल अनुष्का श्रीवास्तव की जगह आकांक्षा पवन, चांसलर ब्रोंज मेडल सुरुचि शुक्ला के बजाय दिव्या शुक्ला और उदय शंकर मेमोरियल गोल्ड मेडल आस्था श्रीवास्तव से अब विजय पटेल की झोली में आएगा।

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मिलेगी मानद उपाधि

लखनऊ। लविवि के दीक्षांत समारोह में पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार को मानद उपाधि से नवाजा जाएगा। पूर्व सीएसआईआर महानिदेशक डॉ. शेखर सी. मांडे बतौर मुख्य अतिथि दीक्षांत उद्‌बोधन देंगे। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि और मानद उपाधि प्रदान करने के लिए कुलपति की ओर से राजभवन को तीन नाम भेजे गए थे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इनमें से इन दोनों नामों पर मंजूरी दी है। (संवाद)

लविवि : प्रवेश की आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश परीक्षा-2025 की काउंसिलिंग के क्रम में एमएड की सीटों के लिए पहली आवंटन सूची शुक्रवार को जारी कर दी गई है। वहीं, एलएलबी और एमएससी-बायोकेमिस्ट्री की सीटों के लिए पांचवीं आवंटन सूची शुक्रवार को जारी कर दी गई है। एमएससी जुलोजी की सीटों के लिए चौथी आवंटन सूची शुक्रवार को जारी कर दी गई। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि आवंटन सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थी आवंटित सूची देख कर सीटें सुनिश्चित करने को 7 सितंबर तक फीस जरूर जमा कर दें। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू दीक्षांत के पांच पदकों में बदलाव

सूची

- 10 सितंबर को 68वां दीक्षांत समारोह होगा
- अंतिम सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड है

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 10 सितंबर को 68वें दीक्षांत के लिए पदकों व पुरस्कारों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। पांच पदकों के नामों में बदलाव किया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि अनंतिम सूची पर आपत्ति मांगी थीं। पांच पदकों पर आपत्तियों को जायज माना और अंतिम सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी।

उन्होंने बताया कि भृगु प्रसाद मेमोरियल प्राइज इन साइकोलॉजी निशा अवस्थी की जगह स्वाति गुप्ता को मिलेगा। डॉ. इंद्रजीत गोल्ड श्वेतांशु उपाध्याय के स्थान पर जिज्ञासा वर्मा, पंडित जगपाल कृष्ण गोल्ड मेडल अनुष्का श्रीवास्तव के बजाय आकांक्षा पवन, चांसलर ब्रोंज मेडल सुरुचि शुक्ला की जगह दिव्या शुक्ला और उदय शंकर मेमोरियल गोल्ड आस्था से विजय पटेल की झोली में जाएगा।

जानकारी के अनुसार बता दें कि पदकों पर अंतिम निर्णय हुआ है। अब इसमें किसी तरह का फेरबदल नहीं किया जाएगा।

उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान

लखनऊ विश्वविद्यालय में 10 सितंबर को 68वें दीक्षांत समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। इसके मद्देनजर शोध प्रकाशन, पेटेंट आदि के आमंत्रण मांगे गए हैं। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से पत्र जारी कर दिया गया है। एलयू प्रशासन के मुताबिक, दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के तीन उत्कृष्ट शिक्षकों को टीचर एक्सीलेंस अवार्ड मिलेगा। जिनके नामों को राजभवन भेजा जाएगा। वहां से नामों पर मंजूरी दी जाएगी। जिसके बाद समारोह में उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 7

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मिलेगी मानद उपाधि

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अपने 68वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार को मानद उपाधि से सम्मानित करेगा। यह उपाधि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा अनुमोदित की गई है। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी और उत्तर प्रदेश कैडर से संबद्ध प्रशांत कुमार का पुलिस सेवा का कॅरियर तीन दशकों से अधिक लंबा रहा है। उन्होंने कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉ. शेखर सी. मांडे होंगे दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के आगामी 68वें दीक्षांत समारोह में प्रख्यात संरचनात्मक जीवविज्ञानी एवं विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पूर्व सचिव तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर सी. मांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 5 अप्रैल 1962 को जन्मे डॉ. मांडे प्रोटीन संरचना और कार्य, क्षयरोग (टीबी) जीवविज्ञान, जैवभौतिकी एवं जैवरसायन दृष्टिकोण तथा संगणकीय जीवविज्ञान के क्षेत्र में अपने अग्रणी योगदान के लिए विश्वभर में ख्याति प्राप्त हैं। उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु से मॉलिक्यूलर बायोफिजिक्स में पीएच.डी. (1991) की उपाधि प्राप्त की।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

डॉ. शेखर सी. मांडे लखनऊ विश्वविद्यालय के 68वें दीक्षांत समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के आगामी 68वें दीक्षांत समारोह में प्रख्यात संरचनात्मक जीवविज्ञानी एवं विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के पूर्व सचिव तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक, डॉ. शेखर सी. मांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

5 अप्रैल 1962 को जन्मे डॉ. मांडे प्रोटीन संरचना और कार्य, क्षयरोग (टीबी) जीवविज्ञान, जैवभौतिकी एवं जैवरसायन दृष्टिकोण तथा संगणकीय जीवविज्ञान के क्षेत्र में अपने अग्रणी योगदान के लिए विश्वभर में ख्याति प्राप्त हैं। उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु से मॉलिक्यूलर बायोफिजिक्स में पीएचडी (1991) की उपाधि प्राप्त की। अपने शैक्षणिक एवं अनुसंधान करियर में उन्होंने भारत एवं विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्य किया, जिनमें यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन (सिएटल), इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी (चंडीगढ़), सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नॉस्टिक्स (हैदराबाद) तथा नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस (पुणे) शामिल हैं।

अक्टूबर 2018 में उन्होंने डीएसआईआर सचिव और सीएसआईआर महानिदेशक के रूप में पदभार संभाला तथा सेवानिवृत्ति तक कई महत्वपूर्ण अनुसंधान पहलों का नेतृत्व किया। अपने लंबे और विशिष्ट करियर के दौरान उन्हें अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (2005), बी.एम. बिरला यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड (1999), भारत अस्मिता तंत्रविज्ञान पुरस्कार (2019) और एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा से डॉक्टर ऑफ साइंस (डिग्री ऑफ ऑनोरिस कॉजा) शामिल हैं। वे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज और आंध्र प्रदेश अकादमी ऑफ साइंसेज के फेलो भी हैं। यह दीक्षांत समारोह विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित करने का अवसर होगा।

डॉ. मांडे की उपस्थिति स्नातक हो रहे विद्यार्थियों को वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और समाजसेवा की प्रेरणा प्रदान करेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनके मुख्य अतिथि के रूप में सहमति देने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि मूलभूत शोध से लेकर भारत की शीर्ष वैज्ञानिक संस्था का नेतृत्व करने तक की उनकी यात्रा, विद्यार्थियों के लिए दृढ़ संकल्प और समर्पण की मिसाल है।

अरिंदम को मिलेगा चांसलर गोल्ड मेडल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह के लिए मेडल सूची जारी कर दी है। इसमें अरिंदम चतुर्वेदी को चांसलर गोल्ड मेडल दिया गया। वहीं, अवंतिका राय को वाइस चांसलर गोल्ड मेडल, आरजू नायाब को डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल फार सर्विस के लिए दिया जायेगा। इसी प्रकार सबसे अधिक 9 पदक श्रद्धा यादव को और 8 पदक चित्रा साहू को प्रदान किये जायेंगे। शिखर भारती को तीन पदक से नवाजा जायेगा। इसी प्रकार बड़ी संख्या में मेधावियों को पदक वितरित किये गये।

दीक्षांत समारोह में पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार को मिलेगी मानद उपाधि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि अपने 68वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार को मानद उपाधि से सम्मानित करेगा। यह उपाधि, कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा अनुमोदित की गई है। विश्वविद्यालय ने हमेशा ऐसे व्यक्तित्वों को सम्मानित किया है जिन्होंने समाज और राष्ट्र के प्रति असाधारण योगदान दिया है।

1990 बैच के आईपीएस अधिकारी और उत्तर प्रदेश कैडर से संबद्ध, श्री प्रशांत कुमार का पुलिस सेवा का करियर तीन दशकों से अधिक लंबा रहा है। उन्होंने कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संगठित अपराध के खिलाफ उनकी कड़ी नीति और सक्रिय पुलिसिंग के कारण उनकी पहचान एक तेज-तर्रार और निर्णायक अधिकारी के रूप में रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस में एडीजी (कानून-व्यवस्था), एडीजी मेरठ जोन, और अंततः पुलिस महानिदेशक (2024-25) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इसके अलावा, उन्होंने सीआईएसएफ और आईटीबीपी में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एडीजी एवं एसडीजी (कानून-व्यवस्था) के रूप में उन्होंने एंटी-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया, जिससे माफियाओं और अपराधियों की अवैध संपत्तियों की जब्ती हुई। उनके प्रयासों से उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का वातावरण मजबूत हुआ और राज्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में 14वें स्थान से 2वें स्थान पर पहुंच गया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के चलते उत्तर प्रदेश अपराधों के मामलों में देश में सबसे अधिक दोषसिद्धि दर हासिल कर सका।

डीजीपी के रूप में उन्होंने सुरक्षित महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन में केंद्रीय भूमिका निभाई। इसमें 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गयी। उनके नेतृत्व में पुलिस और अन्य एजेंसियों के बीच उत्कृष्ट समन्वय हुआ और आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया गया। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 को भी शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया और त्रिनेत्रा 2.0 जैसी तकनीकी पहल की, जिसे फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। उनको कई पुरस्कार और पदक प्राप्त हुए हैं, जिनमें गैलेंट्री मेडल (2024), राष्ट्रपति पुलिस पदक (2014) और महाकुंभ मेला पदक (2025) प्रमुख हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भी कई बार प्रशंसा पत्र और सम्मान प्राप्त हुए।

इस मानद उपाधि के माध्यम से, लखनऊ विश्वविद्यालय न केवल प्रशांत कुमार की उत्कृष्ट सेवाओं और आधुनिक पुलिसिंग में उनकी दूरदर्शी भूमिका को सम्मानित कर रहा है, बल्कि विद्यार्थियों और शोधार्थियों को उत्कृष्टता, ईमानदारी और समाज सेवा के लिए प्रेरित भी कर रहा है।

TOI PAGE 3

Ex-DGP to be honoured with LU doctorate

Lucknow: Lucknow University will award an honorary doctorate to former DGP Prashant Kumar during its 68th convocation ceremony on Sept 10.

The university announced on Saturday that eminent scientist and former CSIR director general Shekhar C Mande will be the chief guest on the occasion.

Former DGP's name was approved by Governor Anandiben Patel, said LU spokesperson Durgesh Srivastava. It reflects the university's tradition of recognising individuals who have made extraordinary contributions to society and the nation. TNN

LU finalises its medal list after five changes

Lucknow: Lucknow University announced its final medal list with five changes to the list announced earlier. The university will award 201 gold, silver, and bronze medals at its convocation on Sept 10. Chancellor's gold medal will be awarded to BA (4 years) student Arindam Chaturvedi, best university student in all faculties, scoring highest, 86.41% marks.

The tentative list of 200 medals announced earlier underwent five changes based on objections received and verification. Bhrigu Prakash Memorial Prize in Psychology will be awarded to Swati Gupta, while Dr Indrajeet Singh Gold Medal will be awarded to Jigyasa Verma. TNN